Mahendra's

UP POLICE कांस्टेबल/ UP लेखपाल

HINDI

पूर्ववर्ती परीक्षाओं के वस्तुनिष्ठ प्रश्न

व्याख्या सहित

LIVE 03:00 PM

1."बच्चे बस से पाठशाला जाते हैं।" इस वाक्य में कौन-सा कारक है? लेखपाल (2015)

(A) सम्प्रदान

(B) कर्म

C) करण

(D) अपादान

हिन्दी में कारकों की संख्या 8 मानी गई है।
इन कारकों के नाम एवं उनके कारक चिह्न इस प्रकार हैं-

संज्ञा या सर्वनाम का वाक्य के अन्य पदों (क्रिया) से सम्बन्ध बताने वाला रूप या विभक्ति, कारक होता है ,
जैसे-राम ने रावण को बाण से मारा।

कारक	कारक चिह्न
1.कर्ता	ने
2.कर्म	को
3.करण	से, के द्वारा
4.सम्प्रदान	को,के लिए
5.अपादान	से
6.सम्बन्ध	का,की,के /ना ,नी,ने /रा,री,रे
7.अधिकरण	में,पर
8.सम्बोधन	हे,हो,अरे

2."वह लाचार है, क्योंकि वह अंधा है।" इस वाक्य में कौन-सा अव्यय है? लेखपाल (2015)

(A) संबंधवाचक

(B) संकेतवाचक

(C) कारणवाचक

(D) परिणामवाचक

समुच्चयबोधक (Conjunction)-

जो अव्यय दो शब्दों, वाक्यों अथवा वाक्य-खण्डों को एकत्र कर उनका पारस्परिक योग अथवा पृथकत्व सूचित करे, उसे 'समुच्चयबोधक' कहते हैं। उदाहरण के लिए,
समुच्चयबोधक अव्यय के 2 मुख्य भेद हैं,-

1. समानाधिकरण
2. व्याधिकरण

1.समानाधिकरण :दो मुख्य वाक्यों को जोड़नेवाले अव्यय को 'समानाधिकरण समुच्चयबोधक अव्यय' कहते हैं। जैसे - और, व, तथा, भी, अथवा, किंवा, या, चाहे, न कि, लेकिन, किन्तु, मगर, पर, बल्कि, अपितु,

2.व्याधिकरण : जिन अव्ययों के द्वारा मुख्य वाक्य में आश्रित/ उपवाक्य जोड़े जाते हैं, वे 'व्याधिकरण समुच्यबोधक अव्यय' कहलाते हैं। जैसे - कि, चूँकि, क्योंकि, इसलिए कि, कारण कि, जो कि,ताकि, जो, इसलिए,

3.पर्यायवाची शब्द चुनें।

लेखपाल (2015)

समुद्र

(A) तुंग

(B) अर्णव

(C) विश्वंभर

(D) उदक

समुद्र का **पर्यायवाची –**
सागर, जलधि, सिंधु, रत्नाकर, नीरनिधि, पयोधि, नदीश, नीरधि, वारिधि, अर्णव, उदधि, पयोनिधि, जलधाम, वारीश, पारावार, अब्धि।

तुंग का **पर्यायवाची –**
धरणीधर, पर्वत, पहाड़, गिरी, अचल, नग, भूधर, महीधर, शैल, नगपति, शिखर, अद्री **ऊँचा, उन्नत, उग्र, तीव्र, प्रधान, मुख्य।**

विश्वंभर का **पर्यायवाची –**
विष्णु, नारायण, दामोदर, पीताम्बर, माधव, केशव, गोविन्द, चतुर्भुज, उपेन्द्र, जनार्दन , चक्रपाणि लक्ष्मीपति, मधुरिपु।

उदक का **पर्यायवाची –**
जल, मेघपुष्प, अमृत, सलिल, वारि, नीर, तोय,अम्बु, पानी, जीवन, पय, पेय।

4. 'रौद्र रस का स्थायी भाव क्या है?

लेखपाल (2015)

(a) क्रोध

(b) भय

(c) उत्साह

(d) विस्मय

भेद- रस के मुख्यतः 11 प्रकार होते हैं :

1. श्रृंगार रस
2. हास्य-रस
3. करुण रस
4. रौद्र-रस
5. वीर रस
6. भयानक रस
7. बीभत्स रस
8. अद्‌भुत रस
9. शान्त रस
10. भक्ति रस
11. वातसल्य रस

1.स्थायीभाव-

रस के मनःसंवेग,स्थायी भाव, और रस प्रकार -

मनःसंवेग	स्थायीभाव	रस प्रकार
1. काम	रति	श्रृंगार रस
2. हास	हास	हास्य रस
3. दुःख	शोक	करुण रस
4. क्रोध	क्रोध	रौद्र रस
5. उत्साह	उत्साह	वीर रस
6. भय	भय	भयानक रस
7. घृणा	जुगुप्सा	बीभत्स रस
8. आश्चर्य	विस्मय	अद्‌भुत रस
9 .दैन्य	निर्वेद	शांत रस
10.वत्सलता	वत्सलता	वात्स्लय रस
11. भक्ति	अनुराग	भक्ति रस

5.कहनेवाले का अर्थ कुछ होता है, किन्तु सुननेवाला उससे कुछ दूसरा ही अभिप्राय निकाल लेता है। में अलंकार का कौन-सा भेद होता है?

(A) उपमा

(B) वक्रोक्ति

(C) यमक

(D) अनुप्रास

6. निम्न में से विराम चिन्ह कि द्रष्टि से कौन सा वाक्य सही हैं ?

(A)पिता पुत्र, साधु ब्राह्मण, रात दिन

(B)पिता/पुत्र, साधु/ब्राह्मण, रात/दिन

(C)पिता-पुत्र, साधु-ब्राह्मण, रात-दिन

(D)पिता ! पुत्र, साधु-ब्राह्मण, रात,दिन

1.अल्प विराम (,)-वाक्य को पढ़ते समय जहाँ थोड़ी देर के लिए रुकते या ठहरते हैं।

2.अर्द्ध विराम (;) - वाक्य में जिस स्थान पर अल्प विराम से अधिक देर रुकने या ठहरने का संकेत मिले।

3.पूर्ण विराम(।)- यह वाक्य की समाप्ति का बोधक है।

4.प्रश्नवाचक चिह्न (?)- किसी से प्रश्न करने / सन्देहात्मक

5.विस्मयादि बोधक चिह्न(!)- हर्ष,शोक, प्रसन्नता, आश्चर्य,

6.योजक चिह्न [-] योजक चिह्न को समासबोधक अथवा विभाजक चिह्न भी कहते हैं।

विराम-चिह्न -

हिन्दी में प्रयुक्त विराम चिह्न			
1.	अल्प विराम	,	(Comma)
2.	अर्द्धविराम	;	(Semi colon)
3.	पूर्ण विराम	।	(Full stop)
4.	प्रश्नवाचक चिह्न	?	(Sign of Interrogation)
5.	विस्मयादिबोधक	!	(Sign of Exclamation)
6.	योजक चिह्न	-	(Hyphen)
7.	निर्देशक चिह्न	–	(Dash)
8.	विवरण चिह्न	:–	(Colon Dash)
9.	उद्धरण चिह्न	‘ ’ “ ”	(Inverted Commas)
10.	कोष्ठक चिह्न	() { } [ ]	(Brackets)
11.	संक्षेप चिह्न	.	(Dot)
12.	हंस पद चिह्न	ऽ	—
13.	लोप सूचक चिह्न	× × ×	(Cross)
14.	पुनरुक्ति सूचक चिह्न	” ”	(As on)
15.	तारक चिह्न	*	(Star)

7.'सम्' उपसर्ग से बना है? (MPTET - 2018)

(a) संयोग

(b) सुकर्म

(c) स्वयंसेवक

(d) संतान

(1)तत्सम उपसर्ग

हिन्दी में प्रयोग किये गये लगभग समस्त उपसर्गों का उद्गम संस्कृत से हुआ है। संस्कृत में 22 उपसर्गों की व्यवस्था है।

(2)तद्भव उपसर्ग (हिन्दी उपसर्ग)

हिन्दी में कुछ ऐसे उपसर्ग भी प्रयुक्त हो रहे हैं, जो संस्कृत में नहीं मिलते। ये हिन्दी की अपनी प्रवृत्ति के अनुसार विकसित उपसर्ग हैं, जो प्राय: तद्भव या देशज शब्दों से पूर्व जुड़ते हैं।

(3)विदेशज उपसर्ग

हिन्दी में विदेशी भाषाओं के उपसर्ग 2 माध्यमों से आये हैं-(i) इस्लामिक प्रभाव के द्वारा (अरबी-फारसी द्वारा) (ii) अँगरेज़ी-प्रभाव के द्वारा (अँगरेज़ी भाषा-द्वारा) ।

1. हिन्दी दिवस मनाया जाता है-14 सितम्बर
2. किस तिथी को हिन्दी को राजभाषा बनाने का निर्णय किया-14 सित.1949.

3. निरोग शब्द में कौन सी संधि है – विसर्ग संधि
4. लेखक शब्द में कौन सा प्रत्यय लगत हुआ है- ‘ अक ’

5. विज्ञान शब्द में उपसर्ग है - वि
6 .चौराहा से कौन सा समास है – द्विगु समास

7. कारक के कितने भेद होते हैं- 8
8. हिन्दी भाषा मे वचन कितने प्रकार के होते है - 2(एकवचन,बहुवचन)

9. क्रिया का मूल रूप कहलाता है?- धातु
10. रचना की दृष्टि से क्रिया के कितने भेद होते हैं - 2(अकर्मक, सकर्मक क्रिया)

४.विशेषण और संज्ञा के संबंध वाले शब्द में कौन-सा समास होता है?
(HTET/MP POLICE)

(a) कर्मधारय

(c) द्वंद्व

(b) बहुव्रीहि

(d) द्विगु

9.किस समास से बने शब्द का रूप,लिंग या वचन के कारण परिवर्तन नहीं होता है-

(MP POLICE - 2021)

(a) कर्मधारय

(b) बहुव्रीहि

(c) द्वंद्व

(d) अव्ययीभाव

1.**अव्ययीभाव समास**-जिस समास का प्रथम पद प्रधान हो और वह अव्यय हो।

2.**तत्पुरुष समास**- जिस समास में उत्तर-पद अर्थात् अन्तिम पद की प्रधानता हो।

3.**कर्मधारय समास**-जिस सामासिक शब्द का उत्तर पद प्रधान हो और पूर्वपद का उत्तरपद में विशेषण-विशेष्य अथवा उपमान उपमेय का सम्बन्ध हो।

4**द्विगु समास**-जिस सामासिक शब्द का पूर्वपद संख्यावाचक विशेषण हो।

5.**द्वन्द्व समास**- जिस सामासिक शब्द के दोनों पद प्रधान होते हैं।

6.**बहुव्रीहि समास**-जिस समास में न तो पूर्व पद प्रधान होता है।

10.क्रिया के जिस रूप से यह आभास होता है कि कार्य का भूतकाल में समाप्त होना सम्भव था किन्तु किसी कारणवश न हो सका।

(a)आसन्न भूत

(b) हेतुहेतुमद् भूत

(c) अपूर्ण भूत

(d) इनमें से कोई नहीं

(i)सामान्य भूतकाल : इसमें भूतकाल में कि गई क्रिया का निश्चित समय ज्ञात नहीं होता। 1.राम आया। 2. रवीना गयी।

(ii) आसन्न भूतकाल : इससे यह ज्ञात होता है कि क्रिया का कार्य अभी समाप्त हुआ है। (चुका हैं /चुकी हैं /चुके हैं)- मैं खाना खा चुका हूँ।

(iii) पूर्ण भूतकाल: इससे यह ज्ञात होता है कि कार्य समाप्त हो चुका है एवं कार्य को समाप्त हुए अधिक समय हो चुका है। (था/थी/थे)
मैंने नाटक लिखे थे।

(iv)सन्दिग्ध भूतकाल: इससे क्रिया के कार्य की समाप्ति में कुछ सन्देह का बोध होता है। (होगा, होगी, होगे)
जैसे- उसने कहानी लिखी होगी।

(v) अपूर्ण भूतकाल: इससे यह प्रकट होता है कि कार्य भूतकाल में हो रहा था पर यह ज्ञात नहीं होता कि कार्य समाप्त हुआ अथवा नहीं? (था रहा,थी रही,थे रहे)
जैसे-1.वह गा रही थी।2.तृप्ति पढ़ रही थी।

(vi) हेतुहेतुमद् भूतकाल :इससे यह ज्ञात होता है कि कार्य का भूतकाल में समाप्त होना सम्भव था किन्तु किसी कारणवश न हो सका।

11. अव्यय के कितने भेद होते है - 4
12. जान हथेली पर रखना का अर्थ है- मरने के लिये तैयार हो जाना

13. स्थाई भावी की कुल संख्या कितनी है- 9
14. शांत रस का स्थायी माव है- निर्वेद

15. सर्वश्रेष्ठ रस किसे माना जाता है - श्रंगार रस
16. हिन्दी साहित्य का नौवा रस कौन सा है- शांत रस

17. किस रस को रस राज कहा जाता है - श्रंगार रस
18. संचारी भावों की संख्या है – ३३

19. चारों चरणों में समान मात्राओं वाले छंद को क्या कहते हैं- सम मात्रिक छंद
20 छंद का सर्वप्रथम उल्लेख कहा मिलता है- ऋग्वेद में

21 छंद कितने प्रकार के होते हैं -2
22 बगुला का तत्सम शब्द होगा- वक्

23 दशानन शब्द है- योगरूढ़
24 माता-पिता में कौन सा समास है ? – द्वन्द समास

25 महापुरुष में कौन सा समास है- कर्मधारय समास
26 निस्तेज का संधि विच्छेद होगा - निः+तेज

27 अन्तस्थ व्यंजन के नाम से जाने जाते है. य र ल व
28 बिना वेतन काम करने वाला - अवैतनिक

29 गुरु के समीप या साथ रहने वाला – अन्तः वासी
30 एक व्यक्ति की शासन सत्ता- अधिनायकवाद

धन्यवाद